## Army Children's Academy

## Subject-Sanskrit

Class-9 ${ }^{\text {th }}$

प्र. 1 अपठित गद्यांश पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत श्रीमती सरोजिनी नायडू 1879 तमे वर्षे फरवरी मासस्य त्र्योदश्यां तिथौ जन्म अलभत। इयं स्व- राष्ट्रं बहु असेवत। त्र्योदशवर्षीया इयं स्वतंत्रता-संग्रामे अक्कूर्दत, कारागाराम् अपि अगच्छत्। इयं विदुषी गायिका प्रियवादिनी च आसीत्। इयमेव ‘भारत-कोकिला’ इति उपाधिम् अविन्दत्। सरोजनी नायडू महोदया स्वतन्त्रभारते उत्तर-प्रदेशे सर्वप्रथमं राज्यपाल पदम् अशोभयत्। अस्याः काव्य-रचनायां सर्वत्र राष्ट्रभक्तिः दृश्यते।
क- एक पदेन उत्तरत-

1. सरोजिनी नायडू काम् उपाधिम् अविन्दत् ?
2. सा कुत्र राज्यपाल पदम् अशोभयत् ?
3. सा कस्यां तिथौ जन्म अलभत?
4. सरोजिनी नायडू कदा संग्रामे अकरूद्दत् ?

ख- निर्देशानुसारम् उत्तरत -

1. 'दृश्यते' इति पदस्य कर्तृपदं किम् ?

> क- सर्वत्र ख- अस्याः ग- राष्ट्रभक्तिः
2. 'विदुषी' इति पदस्य विशेष्यपदं किम् अस्ति?

क- गायिका ख- इयम् ग- प्रियवादिनी

अपठित गद्यांशं पट्टिता प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत -
भातसस्य सर्वासु उदीषु गंगा पवित्रता श्रेष्ठा च अस्ति। इयं हिमालयस्य गोमुख- स्थानानात् निर्गच्छति। पर्वेभ्यः निसृत्य गंगा हरिद्वारे समतलं भू-भागं प्रविशति। हरिद्वारतीर्ये प्रतिवर्ष लक्षाधिकाः जनाः गच्छन्ति, गांगयाः शीतले जले स्वानं च कुर्वन्ति। परम् अद्यत्वे एपा पावनी नदी प्रदूषिता। यत्र-तत्र जल मालिन्यम् आसित। जीवनस्य रक्षायै जलम् अनिवार्यम्। गंगानद्याः रक्षा अस्मांक कर्त्तत्यम्।

1. एकपदेन उत्तरत-

क- गंगा करिम्न् स्थाने समतलं भू-भागं प्रविशति?
ख- जीवनस्य रक्षायै किम अनिवार्यम्?
2. निर्देशानुसारम् उत्तरत-क- ‘‘दीषु' इति पदस्य विशेषण-पदं किम्?

1. गंगा
2. सर्वायु
3. पवित्रतम।

ख- ‘प्रविशति’ इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

1. भूभागम् 2. समतलम् 3 3. गंगा

ग- ‘सरिता’ इूति पदस्य गद्यांशे किं पर्यायपदम्?

1. पावनी
2. नदी
3. एषा

घ- गयद्यांशे ‘इयम’ पदं कसै प्रुय्तम् ?

1. गंगायै
2. नहै़
3. हिमालयाय

संस्कृत के पर्यायवाची शब्द

| \# | संस्कृत शब्द | पर्यायवाची |
| :---: | :---: | :---: |
| 1. | स्वर्गः | नाकः, सुरलोकः, देवलोकः, त्रिदशालयः |
| 2. | देवता | अमरः, निर्जरः, देव, सुरः आदित्यः |
| 3. | असुरः | दैत्यः, दनुजः, दून्द्रारिः, दानव;, राक्षसः |
| 4. | ब्रह्मा | आत्मभू, सुरज्येष्ठ; पितामहः, हिरण्यगर्भः |
| 5. | विष्णु | नारायणः, दामोदरः, गोविन्द, गरुड़ध्वजः |
| 6. | कामदेवः | मदनऋ, मन्मथऋ, माऱ, प्रद्युम्ञ, कन्दर्पः। |
| 7. | लक्ष्मी | पद्मालया, पद्मा, कमला, श्री, हरिप्रिया |
| 8. | गरुइः | ताः, वैनतेयः, खगेश्वरः, नागान्तकः |
| 9. | शिव: | शम्भु, पशुपतिः, महेश्वर:, शंकरः, चन्द्रशेखरः। |
| 10. | पार्वती | उमा, कात्यायनी, गौरी, हैमवती, शिवा, भवानी । |


| 11. | गणेश | विनायकः; गणाधिए; एकदन्त; लम्बोदर; गजान |
| :---: | :---: | :---: |
| 12. | इन्द्र: | मरुत्वान, मधवा, पुरन्दर; वासक; सुरपतिः |
| 13. | नारद: | तुम्बुरु, भरत, देवलः, देवर्षी: |
| 14. | अमृत | पीयूषम, सुधा, अमिय |
| 15. | अग्रि |  |
| 16. | यमराज | धर्मराज; पेरतराट्, कृतान्त; शमन; कालः। |
| 17. | वायु: | गन्धवाह;,अनिल; समी₹; मारुत; समीरण |
| 18. | शीप्रम् | त्वरितम, , क्षिप्र, दुतुम, सत्वरं, चपलम् । |
| 19. | लगातार | सतत, अनारत, अश्रान्त, अविरत, अनवरत |
| 20. | कुबेर | यक्षराट, धनद; किन्नरेश; नखवाहनः श्रीद: |


| \# | शब्द | विलोम |
| :--- | :--- | :--- |
| 1. | अथ | इति |
| 2. | अर्थ | अनर्थ |
| 3. | अधिक | न्यून |
| 4. | अल्प | अति |
| 5. | अपना | पराया |
| 6. | अनुकूल | प्रतिकूल |
| 7. | अमृत | विष |
| 8. | अभी | कभी |
| 9. | अन्य | अनन्य |
| 10. | अडिग | डावांडोल |
| 11. | अपार | परिमित |
| 12. | अवनी | अंबर |
| 13. | अज्ञ | विज्ञ |
| 14. | आकाश | पाताल |
| 15. | अवकाश | व्यस्तता |
|  |  |  |


| 16. | अवलंब | निरालंब |
| :--- | :--- | :--- |
| 17. | अभिमान | निरभिमान |
| 18. | अवयव | निरवय |
| 19. | अंतः | बाह्य |
| 20. | अबेर | सबेर |
| 21. | अत्र | तत्र |
| 22. | अग्रज | अनुज |
| 23. | अनुराग | विराग |
| 24. | अगैती | पिछौती |
| 25. | अधीन | स्वाधीन |
| 26. | असीम | ससीम |
| 27. | अपव्यय | मितव्यय |
| 28. | अगला | पिछला |
| 29. | अगर | मगर |
| 30. | अस्त | उदय |
|  |  |  |
| 2 |  |  |

